असाइनमेंट:- 5 विषय :- हिंदी कक्षा:- IV शिक्षिका:- श्रीमती पूजा सहगल
नाम:- _____ सेक्शन :- __ रोल नंबर :- ____ दिनांक:- अप्रैल, 2021

पाठ-2 "आलस्य का फल"

मौखिक प्रश्न - उत्तर

प्रः क) ब्राह्मण का स्वभाव कैसा था ?

उः ब्राह्मण बहुत ईमानदार और सज्जन था ।

प्रः ख) ब्राह्मण किस कारण बैठा रहता था ?

उः ब्राह्मण आलस्य के कारण बैठा रहता था ।

प्रः ग) ब्राह्मण के घर कौन आया ?

उः ब्राह्मण के घर एक साधु आया ।

प्रः घ) जादुई पत्थर की क्या विशेषता थी ?

उः जादुई पत्थर लोहे को सोना बना देता था ।

प्रः ङ)ब्राह्मण लोहा क्यों नहीं खरीद सका ?

उः ब्राह्मण सोचता रहा कि आज नहीं कल लोहा ले लूंगा ।

लिखित प्रश्न - उत्तर

प्रः क) ब्राह्मण भाग्य के बारे में क्या मानता था ?

उः ब्राह्मण का मानना था कि जो कुछ भी होता है , भाग्य से होता है ।

प्रः ख) साधु किस कारण प्रसन्न हुआ ?

उः ब्राह्मण और उसकी पत्नी के आदर - सत्कार करने के कारण साधु प्रसन्न हुआ ।

प्रः ग) साधु के पास कौन -सा पत्थर था ?

उः साधु के पास जादुई पत्थर था ।

प्रः घ) साधु ने कितने दिनों के लिए ब्राह्मण को पत्थर दिया ?

उः साधु ने सात दिनों के लिए ब्राह्मण को पत्थर दिया |

प्रः ङ) ब्राह्मण पत्थर का उपयोग क्यों नहीं कर पाया ?

उः ब्राह्मण ने सोचा कि अभी तो मेरे पास सात दिन हैं। मैं कल से यह काम शुरू कर दूँगा । यही सोचते - सोचते समय निकल गया और ब्राह्मण पत्थर का उपयोग नहीं कर पाया ।

प्रः च) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

उः इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें आलस्य नहीं करना चाहिए और आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए ।